

शक्तिवीणा

• संपादक •

प्रा. भाऊ गोसावी | प्रा. डॉ. प्रदीप पाटील



SHABDVEENA / शब्दवीणा

- संपादक प्रा. भाऊ काशिनाथ गोसावी
प्रा. डॉ. प्रदीप यशवंत पाटील :
- मार्गदर्शक मा. प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे
कार्याध्यक्ष, श्री स्वामी विवेकानन्द शिक्षण संस्था, कोल्हापूर
मा. प्राचार्य सौ. शुभांगी मुरलीधर गावडे
सचिव, श्री स्वामी विवेकानन्द शिक्षण संस्था, कोल्हापूर
- प्रकाशक **ज्ञानमंगल**
प्रकाशन वितरण
ज्ञानमंगल प्रकाशन व वितरण
डॉ. सवाजीराव बाबुराव गायकवाड
मु. पो. वाघोली, ता. माळशिरस, जि. सोलापूर.
फोन : ९८९०९८०२५४
- सर्वाधिकार
प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार
विवेकानन्द कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)
- प्रथमावृत्ति
१५ ऑक्टोबर, २०२१ (डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जयंती)
- मुख्यपृष्ठ
सुनील सुतार
सृजन ग्राफिक्स, कोल्हापूर. मोबा. ७२७६०३६६६४
- मुख्यपृष्ठ व अक्षरजुलणी
ज्योती अरुण काटवे
विराज कॉम्प्युटर सर्विसेस, कोल्हापूर. मोबा. ९०२१२३४८९०
- मुद्रक
श्री मुरारी मुद्रणालय, कोल्हापूर.
मोबा. ९८९०९७७०७७
- ISBN : 973-81-952316-1-4
- मुल्य : ११०/-

अनुक्रमणिका

गद्य विभाग

| अ.क्र. | घटक | लेखक | पृ.क्र. |
|--------|--------------------------------|-----------------------|---------|
| १. | आधारीचेया परिसाचा दृष्टान्त | केशिराजबास | १ |
| २. | आरमार | रामचंद्रपंद अमात्य | ३ |
| ३. | धर्मातरासंबंधी मी काय सांगणार? | डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर | ७ |
| ४. | कस्तुरीमृग | वि. स. खांडेकर | ११ |
| ५. | नागीण | चारुता सागर | १४ |
| ६. | मजल्याचं घर | वामन होबाळ | २८ |
| ७. | आजी शरण येते | विद्याधर पुंडलिक | ३७ |
| ८. | मराठी भाषेचे भवितव्य | डॉ. विजया राजाध्यक्ष | ४९ |
| ९. | पांगारा, पळस आणि शेवर | सुहास बारटके | ५७ |

पद्य विभाग

| | | | |
|-----|------------------------------|----------------------|----|
| १. | पसायदान | संत ज्ञानेश्वर | ६१ |
| २. | दादला | संत एकनाथ | ६२ |
| ३. | वृक्षवल्ली आम्हां सोयरी | संत तुकाराम | ६३ |
| ४. | उस डोंगापरी रस नोहे डोंगा | संत चोखामेळा | ६४ |
| ५. | नलराजा आणि हंस | खुनाथपंडीत | ६५ |
| ६. | लटपट लटपट तुझे चालणे | होनाजीबाळा | ६७ |
| ७. | महाराष्ट्र गीत | श्रीपादकृष्ण कोलहटकर | ६८ |
| ८. | गरीबीचा पाहुणचार | गजानन लक्ष्मण ठोकळ | ६९ |
| ९. | तळ्याकाठी | अनिल | ७१ |
| १०. | अरे संसार संसार | बहिणाबाई चौधरी | ७२ |
| ११. | या नभाने | ना. धो. महानोरे | ७४ |
| १२. | घाल घाल पिंगा वान्या | कृ. ब. निकुंब | ७५ |
| १३. | स्टेज | वाहरू सोनवणे | ७६ |
| १४. | सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले | प्रज्ञा दया पवार | ७७ |
| १५. | परंपरा | मंगेश नारायण काळे | ८० |
| १६. | स्वगत एका अतिशहाण्या साबणाचं | सचिन केतकर | ८२ |
| १७. | बाबासाहेब अन् आम्ही | मिलिंद बागूल | ८३ |
| १८. | पावस | नामदेव गवळी | ८४ |
| | लेखक परिचय | | ८८ |

‘शब्दवीणा’ इंकाहतात तेव्हा साहित्याचा परिमळ सुगंध वाचकांच्या मनात दखवल्ल राहतो. साहित्य व शिक्षण माणसाला घडविते, जगण्याचे बळ देते. आजच्या शिक्षणव्यवस्थेने सुसंस्कारी मूल्ये जतन करणे गरजेचे आहे. तसेच या पिढीने थोर विचारवंतांचे आदर्श अंगिकारून सामाजिक ऐक्य आणि राष्ट्रहित जपले पाहिजे.

प्राचार्या सौ. शुभांगी मुख्लीधर गावडे
सक्रेटरी, श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर



ISBN

ज्ञानमंगल
प्रकाशन वितरण

• मूल्य •
रु. ११०/-

